दैनिक भास्कर 28/11/2019

नैक की रिपोर्ट में डीएवीवी की सराहना के साथ सुझाव भी

नैक का रिजल्ट : यूनिवर्सिटी में एडवांस लर्निंग सबसे बड़ी उपलब्धि, फैकल्टी की कमी कमजोरी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी को नैक से ए प्लस ग्रेड की विस्तृत रिपोर्ट आ गई है। नैक ने इस रिपोर्ट में यूनिवर्सिटी की कई उपलब्धियों और महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख किया है। वहीं, कई खामियां भी बताई हैं। कुछ अहम सुझाव भी दिए हैं। इस रिपोर्ट में एडवांस लर्निंग फैसेलिटी को सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। वहीं, कहा कि फैकल्टी की कमी है। इसे तुरंत दूर किया जाए। साथ ही उन्होंने टीचिंग, नॉन टीचिंग के सारे खाली पद जल्द भरने का सुझाव भी दिया।

ये अहम उपलब्धियां

- एडवांस लर्निंग फैसेलिटी
- सात विषयों में सैप प्रोजेक्ट
- एथलेटिक ट्रैक, बड़ा प्लेग्राउंड, योग सेंटर, स्पोर्ट्स फैसेलिटी
- कौशल विकास केंद्र। उसमें चल रहे बीवोक, एमवोक कोर्स।
- एकेडमिक ऑटोनामी
- ग्रीन कैंपस, वेस्ट मैनेजमेंट, सोलर पैनल और लोकपाल की नियुक्ति।

ये खामियां बताईं

- फैकल्टी जरूरत की तुलना में कम।
- फैकल्टी के रिसर्च पेपर, प्रेजेंटेशन कम हुए।
- दूसरे राज्यों की फैकल्टी की संख्या भी कम।
- बड़े प्रोजेक्ट, पेटेंट नहीं।
- फॉरेन स्टूडेंट की कमी
- कॉलेजों में लोकपाल नहीं।
- सोशल साइंस में रिसर्च और सभी बातों का अभाव।

ये दिए सुझाव

- कंसल्टेंसी, कोलाबरेशन को लेकर तुरंत कदम उठाए।
- रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए गंभीर कदम उठाए।
- सारी ई-बुकस वेबसाइट पर उपलब्ध करवाए।
- टीचिंग, नॉन टीचिंग के सारे खाली पद जल्द भरें।
- विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए कदम उठाए।
- तुरंत कार्यपरिषद का गठन हो।

कमलनाथ ने दी बधाई, कहा- यह प्रदेश के लिए गौरव का क्षण

डीएवीवी को ए प्लस ग्रेड मिलने पर मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्विट कर कहा कहा मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में पहली ए-प्लस ग्रेड प्राप्त होने वाली यूनिवर्सिटी बनने पर सभी जिम्मेदारों और यूनिवर्सिटी टीम को बधाई। निश्चित तौर पर यह प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है।

यूनिवर्सिटी ने कहा- टीम वर्क ने दिलाई सफलता

महज चार माह पहले पदभार संभालने वाली कुलपति प्रो. रेणु जैन को बेहतरीन टीम मिली। करीब 20 प्रोफेसरों और 10 अफसरों की मजबूत टीम के साथ 1200 से ज्यादा कर्मचारियों और 500 से ज्यादा फैकल्टी ने भी नेक की तैयारी में पूरी मदद की। प्रो. जैन ने 40 से ज्यादा बैठकें की और लगातार मानिटरिंग की। वहीं पूर्व कुलपति प्रो. नरेंद्र धाकड़ और तब के रजिस्ट्रार डॉ. अजय वर्मा के कार्यकाल में भेजी गई सेल्फ स्टडी रिपोर्ट पर हुए मजबूत वर्क का भी अच्छा फायदा मिला। नैक का काम देख रहे प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. आशुतोष मिश्रा, प्रो. एके सिंह, प्रो. बीके त्रिपाठी, प्रो. चंदन गुप्ता, डॉ. प्रत्योश बंसल, प्रो. संगीता जैन, प्रो. विजय बाबू गुप्ता, प्रो. गोविंद माहेश्वरी, डॉ. जीतेंद्र सिंह, डॉ. सुरेश पाटीदार, डॉ. रत्नेश गुप्ता, डॉ. राजेश शर्मा ने जिम्मेदारी निभाई। वहीं नालंदा कैंपस में रजिस्ट्रार अनिल शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार प्रज्ञावल खरे, रचना ठाकुर, डॉ.एल. के.त्रिपाठी, फायनेंस कंट्रोलर दिलीप वर्मा,एक्जाम कंट्रोलर डॉ. अशेष तिवारी की भी अहम भूमिका रही।